चमड़ा उद्योग एवं डिज़ाइनिंग के क्षेत्र में कॅरिअर

- डॉ. सत्य प्रकाश पाण्डेय

यदि डिज़ाइनिंग आपका शौक या धुन और फैशन आपकी विशिष्टता है तो चमड़े के सामान एवं डिजाइन में कोई डिग्री आपके लिए माया–जगत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है. डिज़ाइन एक ऐसा नवीनतम कॅरिअर ट्रेंड है, जिसने अनेक व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित किया है. यह एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें डिज़ाइनर दस्तानों, स्कार्फ, बेल्ट तथा ऐसे अन्य सामानों की डिज़ाइन तैयार करते हैं. इतना ही नहीं, डिज़ाइन में कॅरिअर आपके लिए प्रगति का मार्ग भी खोल सकता है. आज चर्म प्रौद्योगिकी क्षेत्र एक लाभप्रद कॅरिअर विकल्प के रूप में तीव्र गति से उभर रहा क्षेत्र है. कुछ वर्षों पहले तक, इस उद्योग में व्यक्ति किसी औपचारिक प्रशिक्षण के बजाय अपने अनुभव के आधार पर कार्यरत रहते थे. किंतु आज, भारत में अनेक संस्थान चर्म, डिज़ाइनिंग एवं उत्पादन में प्रमाणपत्र एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, जो इस उद्योग में अति अपेक्षित व्यवसायवाद को बढ़ावा दे रहे हैं. चर्म डिजाइनिंग पर्याप्त अवसरों वाला एक विकासशील व्यवसाय है.

भारतीय चमड़ा उद्योग तीव्र गति से उभर रहा क्षेत्र है. हमें आश्चर्य होना चाहिए कि भारत पश्चिमी देशों को इतना चमड़ा निर्यात क्यों कर रहा है. इसका स्पष्ट कारण यह है कि चमड़े के पहनावों की विदेशों में अभी भी व्यापक मांग है और आजकल घरेलू बाजार भी इस उद्योग के उत्पादों का विकास एवं खपत कर रहे हैं. कइयों को यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि भारतीय चमड़ा उद्योग देश का चौथा सबसे बड़ा निर्यात अर्जक है. कोई भी व्यक्ति कल्पना कर सकता है कि और विकसित हो जाने पर यह उद्योग क्या रूप लेगा.

कार्य–प्रकृति :

चमड़े के सामान की मांग बढ़ रही है और आशा है कि यह मांग और बढ़ेगी. बहु–राष्ट्रीय कंपनियों के अधिकाधिक संख्या में भारत में आने के साथ ही, यह उद्योग एक हाई–टेक उद्योग बनाने के लिए कटिबद्ध है. चमड़े के सामान (लेदर वियर) में जूते– चप्पलों से लेकर बैल्ट, बैग, पर्स तथा टोपियों से लेकर खिलौनों, अपहोल्स्टरी, बैगेज, संगीत के उपकरणों, गारमेंट टैग्स, उपहार मदों आदि जैसे विभिन्न उत्पाद शामिल हैं.

इस समय, इस उद्योग में कार्यरत व्यक्ति प्रशिक्षित नहीं हैं, किंतु अब इस उद्योग के प्रौद्योगिकी एवं व्यावसायिक – दोनों दृष्टि से प्रगति एवं विकास की ओर अग्रसर होने के साथ ही – व्यक्तियों की मांगों तथा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस उद्योग को योग्य व्यवसायियों की आवश्यकता है. यदि कोई व्यक्ति इस उद्योग को कॅरिअर के एक विकल्प के रूप में लेना चाहते हैं तो वह अपनी रुचि एवं अभिवृत्ति के आधार पर डिज़ाइनिंग या तकनीकी क्षेत्र अथवा उत्पादन क्षेत्र में जा सकता है. ये दोनों विकल्प लाभप्रद हैं. जहां तक डिज़ाइनिंग का संबंध है, पूरे विश्व में, डिज़ाइनर्स ने चमड़े का, अपने डिज़ाइनर वीयर के एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में उपयोग करना प्रारंभ किया है, जिसके परिणाम चमड़ा परिधान की एक उच्च सामग्री बन गया है. दूसरा विकल्प–उत्पादन भी एक अच्छा क्षेत्र है उत्पादन के क्षेत्र में अपेक्षित योग्यताएं प्राप्त करके कोई भी व्यक्ति चमड़ा–निर्माता कंपनियों तथा टेनरीज़ के साथ कार्य प्रारंभ कर सकता है.

पात्रता : चमड़े के सामान तथा डिज़ाइन में कॅरिअर बनाने के लिए, धुन या लगन, उच्च सर्जनात्मकता तथा प्रेरणा होनी आवश्यक है. तथापि प्रमुख फैशन एवं कला स्कूलों से चमड़े के सामान में डिज़ाइन में कोई विशेषज्ञतापूर्ण डिग्री प्राप्त करके आप फैशन हाउसों और ग्लैम स्टोर्स में अच्छे रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं. कई फैशन एवं ललित कला विद्यालय चमड़े के सामान एवं डिज़ाइन में विशेषज्ञतापूर्ण पाठ्यक्रम एवं स्नातक कार्यक्रम चलाते हैं. एसोशिएट तथा अधिस्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए छात्र 10+2 योग्यता रखते हों और मानकीकृत प्रवेश–परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना चाहिए. अधिकांश स्नातक एवं उच्च कार्यक्रम में प्रवेश के

समय डिज़ाइनिंग में पिछले व्यावहारिक अनुभव को महत्व दिया जाता है और कॉलेज के प्रमाण सहित किए गए सर्जनात्मक कार्यों के ब्यौरे मांग सकते हैं.

व्यक्तिगत कौशल :

यदि आप सर्जनशील एवं लालित्यपूर्ण हैं और अपने विचारों या कल्पना को आकर्षक डिजाइन में परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं तो आप डिज़ाइनिंग में कॅरिअर बना सकते हैं. डिजाइनिंग एक महत्वपूर्ण व्यवसाय है और इस व्यवसाय में आने के लिए अत्यधिक सुरुचिपूर्ण परिष्करण तथा सर्जनात्मक कौशल होना अपेक्षित है. फैशन कार्य में आने के इच्छुक डिज़ाइनरों को नई प्रवृत्तियों की अद्यतन जानकारी होनी चाहिए और वे आर्थिक मापदण्डों की व्यापक समझ एवं तकनीकी कौशल रखते हों. प्रौद्योगिकी, विपणन, उत्पादन तथा विक्रय की गहन जानकारी हमेशा अतिरिक्त रूप में लाभप्रद होती है. इनके अतिरिक्त, छात्रों में शैली के प्रति एक सटीक सूक्ष्मदर्शिता, उपयुक्त कलात्मक कौशल, रंग एवं संरचना आदि की व्यापक समझ रखते हों. लगन, धैर्य, दृढ़ता, कार्य–समर्पण एवं वचनबद्धता इस व्यवसाय के लिए अपेक्षित अन्य पूरक कौशल हैं.

इस तरह चमड़े के उद्योग में अत्यधिक विशेष गुणों की आवश्यकता नहीं होती है, किंतु किसी भी अन्य उद्योग की तरह उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किसी भी व्यक्ति को अत्यधिक सफल, वचनबद्ध, कार्य–समर्पित एवं कठोर परिश्रमी होना आवश्यक है, यदि कोई व्यक्ति उत्पादन क्षेत्र में जाना चाहता है तो कार्य अत्यधिक उबाऊ या थकाने वाला होता है, विशेष रूप से तब जब कोई चर्म–शोधन या उत्पादन संस्था में कार्य करता है, जिसमें कठोर परिश्रम एवं तनाव शामिल होता है. दूसरी ओर सफलतापूर्वक डिज़ाइनिंग कार्य करने में मानसिक क्षमता एवं कलात्मक सूक्ष्मता का मिश्रण होना अपेक्षित है. अनोखी सर्जनशीलता डिज़ाइनर्स के लिए आश्चर्यजनक कार्य कर सकती है. सर्जनशीलता एवं मौलिकता का गुण अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है. अपने विचारों या सोच को मूर्त रूप देने के लिए उन्हें अपनी मानसिक क्षमता का निरंतर सोच के साथ समन्वय करना चाहिए और दक्षता के साथ नए विचार या सोच प्रस्तुत करनी चाहिए.

- डिज़ाइनरों को उच्च स्तर की सर्जनात्मक क्षमता एवं उत्पादन पद्धत्तियों की तकनीकी समझ होनी चाहिए.
- फैशन की जानकारी, रंग एवं आकृति की समझ होना महत्वपूर्ण होती है.
- समस्या समाधान कौशल, समय प्रबंधन तथा आत्म–नियंत्रण फैशन डिज़ाइन के व्यवसाय में उपयोगी होता है.
- विचारों की दृश्य तथा मौखिक दोनों रूपों में अभिव्यक्त करने की क्षमता होनी चाहिए.
- नए विचारों को प्रकट करने एवं प्रभावित करने की क्षमता हो.
- इस तथ्य की रुचि हो कि कपड़े कैसे बनते हैं, परिवर्तन तथा विकास के साथ आकर्षण में भी रुचि हो.
- एकजुट होकर कार्य करने का कौशल तथा शारीरिक सहनशीलता होना अनिवार्य है क्योंकि कार्य–घंटे अधिक लंबे एवं मांगकारी होते हैं और आपके निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखकर एक टीम में मिलकर कार्य करना होता है.

पाठ्यक्रम :

किसी संगठन में दक्षतापूर्वक कार्य करने के लिए व्यावसायिक योग्यता की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है. किसी व्यावसायिक डिग्री/डिप्लोमा के अतिरिक्त, नवीनतम अंतराष्ट्रीय मानकों एवं प्रतिस्पर्धा की पूर्ण जानकारी भी अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है. भारत में ऐसे विभिन्न संस्थान हैं जो चमड़ा–उत्पाद डिज़ाइनिंग में कई पाठ्यक्रम चलाते हैं. उनमें से कुछ संस्थान निम्नलिखित हैं.:

- चमड़े के सामान एवं डिज़ाइन में एम.एससी. **(एम.एससी.–एल.जी.ए.डी).**

- चमड़े के सामान एवं डिज़ाइन में बी.एससी. **(बी.एससी.–एल.जी.ए.डी).**
- चमड़े के सामान एवं डिज़ाइन में डिप्लोमा.
- चमड़े के सामान एवं डिज़ाइन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

चर्म–सामान संस्थान

1. चर्म–सामान एवं फुटवियर डिज़ाइन तथा विकास संस्थान केन्द्र **(एफ.डी.डी.आई.),** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नोएडा–201301.
2. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली.
3. अन्ना विश्वविद्यालय, सरदार पटेल रोड, ग्विन्डी, चैन्नई.

(उक्त सूची उदाहरण मात्र है)

कॅरिअर की संभावना :

कोई भी किसी व्यक्ति की फैशन की समझ में वृद्धि करती है. यदि आप फैशन–उद्योग में एक बड़ी शक्ति बनाना चाहते हैं तो अपनी लगन तथा कौशल को डिज़ाइन में लगाकर आप अपने कॅरिअर को बड़ी ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं. इस व्यवसाय की एक विशेषता यह है कि आप अपने कार्य को अपने घर से प्रारंभ कर सकते हैं और उसके बाद अपनी डिज़ाइन को, विश्व में अपनी पैठ जमाने के के लिए रिटेल एवं डिज़ाइनर स्टोर्स में पहुंचा सकते हैं. डिज़ाइनिंग में कोई व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने के इच्छुक डिज़ाइनर चमड़े के सामान, कीमती एवं कोस्ट्यूम ज्वेलरी, टेबलवेयर, गिफ्टवेयर, घडियों, फुटवियर, हस्तशिल्प तथा जीवनशैली उत्पादों आदि जैसे क्षेत्रों में डिज़ाइनर, उत्पाद प्रबंधक, ब्राण्ड प्रबंधक, विजुअल मर्चेन्डाइजर तथा उद्यमी के कार्य तलाश सकते हैं. इसके अतिरिक्त, यदि आप में उपयुक्त उद्यम कौशल है तो आप अपना निजी कार्य भी चला सकते हैं. चमड़ा–उद्योग में तकनीकी एवं डिज़ाइनिंग–दोनों क्षेत्रों में उज्ज्वल कॅरिअर के अवसर हैं और यह उद्योग विकास की ओर अग्रसर है. इस उद्योग में बहु–राष्ट्रीय कंपनियों सहित भारतीय कार्पोरेट जगत ने इस क्षेत्र में रोज़गार के आकर्षक विकल्प ढूंढ़ने को संभव बना दिया है. पहले भारत केवल कच्चे माल का निर्यात करता था, किंतु अब चमड़े का सामान भी इसकी बराबरी पर आ गया है और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में इसकी मांग बढ़ रही है. इससे डिज़ाइनरों के लिए अवसर और बढ़ गए हैं.

डिज़ाइनर प्रायः चमड़े के सामान की कंपनियों में तकनीकी डिज़ाइनर एवं स्टाइल डिज़ाइनर के रूप में कार्य करते हैं. तकनीकी डिज़ाइनर स्वयं को पैटर्न मेकिंग, कटिंग, डिज़ाइनिंग में प्रशिक्षित करते हैं, जबकि स्टाइल डिज़ाइनर उत्पाद को फैशन तथा स्टाइल के अनुरूप बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं. डिज़ाइनरों को चमड़े के वस्त्रों का निर्माण करने वाली संस्थाओं तथा दुकानों (बुटिक्स) में भी रोज़गार मिलता है. स्थापित डिज़ाइनर भी युवा डिज़ाइनरों को, अपने साथ कार्य करने के लिए रोज़गार पर रखते हैं. पर्याप्त अनुभव प्राप्त करके कोई भी व्यक्ति चमड़े के सामान के उत्पादन तथा विपणन के लिए अपना निजी एकक स्थापित कर सकता है. जहां तक कॅरिअर के विकास तथा उन्नति का संबंध है, ये पूर्णतः कार्य निष्पादन पर निर्भर होते हैं तथा इस क्षेत्र में उपलब्धि की कोई सीमा नहीं है, यदि आपमें डिज़ाइन के प्रति कड़ी वचनबद्धता है तो अपनी निजी परियोजना को समृद्ध बनाने एवं अपने व्यावसायिक कॅरिअर के विकास के लिए यह पाठ्यक्रम आपकी आवश्यकता को पूरा करेगा.

वेतन :

चमड़े के सामान के उद्योग में वेतन कंपनी, कार्य की प्रकृति तथा आपके कार्य के क्षेत्र में निर्भर होता है. चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश रोज़गार निजी क्षेत्र में होता है, इसलिए वेतन सामान्यतः ऊंचा होता है. बहु–राष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आने के साथ ही यह उद्योग लघु–उद्योग की सीमा से ऊपर उठ गया है और इस क्षेत्र में वित्तीय मुनाफा कॉफी संतोषजनक है. इस उद्योग में डिज़ाइनर, मर्चेन्डाइजर तथा विभिन्न

श्रेणी/उत्पाद विशेषज्ञ डिज़ाइनर के रूप में नए भर्ती होने वाले व्यक्ति अपनी योग्यताओं तथा संगठन के आकार के आधार पर रु. 10000–15000/– प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पैकेज की आशा कर सकते हैं. फ्रीलांसरों तथा अपने निजी एककों में स्वरोज़गार वाले व्यक्तियों के लिए मुनाफा निश्चित नहीं होता है. यह आपके निजी कार्य–निष्पादन के आधार पर भिन्न हो सकता है.

लेखक, रिटेल, फुटवियर डिज़ाइन एवं विकास संस्थान केन्द्र, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, कोलकाता, लेदर कॉम्प्लेक्स, गेट नं. 3, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल–743502 के वरिष्ठ संकाय एवं भूतपूर्व अध्यक्ष हैं. ई–मेल satya@tddiindia.com/satya 307@gmail.com